

कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा श्याम भजन लिरिक्स



मैं हारा हुआ था तूने जिताया,
देके सहारा मुझे अपना बनाया,
खुशियों से दामन भर दिया मेरा,
कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा,
हर पल तू रहता है पकड़े हाथ मेरा,
कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा lbd।

तर्ज - हमें और जीने की।

फर्श से उठा कर अर्श पे बिठाया,
हारे का साथी है तो ये सच कर दिखाया,
दिल से कहूँ मैं तू साथी है मेरा,
कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा,
हर पल तू रहता है पकड़े हाथ मेरा,
कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा lbd।

अर्जी को मेरी स्वीकार करना,
मुझे श्याम चरणों से दूर नहीं करना,
हर ग्यारस पे खाटू अब आना है मेरा,
कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा,
हर पल तू रहता है पकड़े हाथ मेरा,
कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा lbd।

मैं हारा हुआ था तूने जिताया,
देके सहारा मुझे अपना बनाया,
खुशियों से दामन भर दिया मेरा,
कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा,
हर पल तू रहता है पकड़े हाथ मेरा,
कैसे मैं भूलूँ एहसान तेरा lbd।

Singer - Bhaiya Rakesh Das Ji